केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 256 शनिवार 11 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बिना नंबर प्लेट वाली बाइक सीजः दो गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । रूधौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एक मॉडिफाइड साइलेंसर और बिना नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। यह घटना 10 अप्रैल 2026 को हुई।

पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर जनपद में अपराध नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक श्यामाकांत के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी कुलदीप सिंह यादव के नेतृत्व में रूधौली थाना प्रभारी संजय कुमार दूबे ने पुलिस बल के साथ कस्बा रूधौली में चेकिंग की।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को रोका। इस बाइक में मॉडिफाइड साइलेंसर लगा था, जिससे पटाखे जैसी आवाज आ रही थी, और उस पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। जब चालक से पूछताछ की गई तो वह वाहन के कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया। इसके साथ ही, दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बीएनएस की धारा 170, 126 और 135 के तहत पाबंद कर न्यायालय भेज दिया गया।

इस अभियान का उद्देश्य जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना और अराजक तत्वों को सख्त चेतावनी देना है, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनी रहे।

युवक ने फंसरी लगाकर जान दिया

भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बस्ती जिले के दुबौलिया जीतीपुर में एक 25 वर्षीय युवक ने गुरुवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दीपक कुमार (25) पुत्र रामनरेश ने अपने घर के कमरे में छत से लगे पाइप के सहारे दुपट्टे से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी।

बताया जा रहा है कि गुरुवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे भोजन के बाद दीपक का अपनी पत्नी सरिता देवी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान दीपक ने अचानक कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और फांसी लगा ली। दीपक की पत्नी सरिता देवी उस समय गलियारे में बैठी थीं। अनहोनी की आशंका होने पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ा। जब तक वे दीपक को नीचे उतारते, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

परिजनों ने शुक्रवार सुबह पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बस्ती भेज दिया। कार्यवाहक थानाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दीपक और सरिता की शादी करीब एक साल पहले हुई थी। दीपक दिल्ली में वेल्डिंग का काम करता था और पिछले चार महीने से घर पर था। वह अपने माता–पिता और भाई–बहनों से अलग अपनी पत्नी के साथ रहता था।

मथुरा में नाव पलटी, 30 डूबे, 10 की मौत

मथुरा (आभा)। मथुरा में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। लुधियाना से वृंदावन घूमने आए 30 श्रद्धालुओं से भरी नाव यमुना नदी में पलट गई। जिससे सभी श्रद्धालु नदी में डूब गए। श्रद्धालुओं की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग बचाने के लिए दौड़े। पुलिस और गोताखोर भी मौके पर पहुंचे। आनन–फानन में राहत बचाव कार्य शुरू कराया गया। अभी तक 10 लोगों के शवों को बरामद किया जा चुका है। जबकि 15 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। पांच लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश के लिए रात बचाव कार्य जारी है।

शुक्रवार को पंजाब के लुधियाना से 30 श्रद्धालुओं का ग्रुप वृंदावन घूमने आया था। सभी श्रद्धालु यमुना नदी के भ्रमण के लिए नाव पर सवार हो गए। आम दिनों के मुकाबले शुक्रवार को हवा काफी तेज चल रही थी। बताते हैं कि करीब पौने तीन बजे हवा के चलते नाव का संतुलन बिगड़ गए। जिससे नाव पैंटून पुल से टकरा गई और यमुना नदी में पलट गई। नाव में सवार सभी श्रद्धालु भी यमुना नदी में गिर गए। पानी में गिरते ही श्रद्धालुओं ने चीख–पुकार शुरू कर दी। नदी में श्रद्धालुओं के डूबने की खबर से आसपास के लोग उन्हें बचाने के दौड़े। मरने वालों में छह महिला और चार पुरुष शामिल हैं। इनमें आशा रानी पत्नी अर्जुन मिड्ढा मिवासी भिवाड़ी हरियाणा, पिंकी पत्नी चरणजीत, कविता पत्नी विजय कुमार, मीनू अंजू पत्नी राकेश गुलाटी, चरणजीत, रिकेश गुलाटी, मधुर बहल, इसान कटारिया, सपना निवासी जगराव पंजाब शामिल हैं।

महाभियोग के बीच जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली (आभा)। लुटियंस दिल्ली स्थित जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से एक स्टोररूम में भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई, जिस घटना ने पूरे देश को चौंका दिया। जस्टिस वर्मा उस समय दिल्ली हाईकोर्ट में तैनात थे और बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर हो गया। अब जस्टिस वर्मा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस्तीफा सौंप दिया है। इस्तीफे के साथ सबसे बड़ा सवाल पेंशन और रिटायरमेंट बेनिफिट्स का है। कानूनी जानकारों के अनुसार, हाईकोर्ट जज (वेतन और सेवा शर्तें) अधिनियम 1954 के तहत इस्तीफा रिटायरमेंट माना जा सकता है। इसलिए जस्टिस वर्मा को सामान्य रिटायरमेंट वाली पेंशन और अन्य सुविधाएं मिलने की संभावना है। अगर संसद की ओर से महाभियोग के जरिए उन्हें हटाया जाता, तो वे इन लाभों से वंचित हो जाते।हालांकि, यह पहलू कई लोगों को चुभ सकता है। क्या न्यायिक पद पर रहते हुए हुई अनियमितता के बावजूद पूर्ण लाभ मिलना उचित है? सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों में भी इस्तीफे को रिटायरमेंट के समकक्ष माना गया है।

बस्ती में मतदाता सूची का प्रकाशन कुल 1731516 मतदाता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 के अन्तर्गत अन्तिम मतदाता सूची 10 अप्रैल को प्रकाशित कर दी गयी है। उक्त के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गयी। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने बताया कि वर्तमान समय में जनपद में कुल मतदाता–1731516 है, जिसमें पुरूष मतदाता–949999 एवं महिला मतदाता–781508 तथा थर्ड जेण्डर मतदाता–9 है। उन्होने बताया कि जनपद का जेण्डर रेशियों 823 तथा ईपी रेशियों 57.73 है।

उन्होने बताया कि दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अन्तिम तिथि दिनॉक 06 मार्च 2026 की अवधि तक जनपद में 131053 फार्म–6 प्राप्त हुआ, जिसका शत प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। उन्होने यह भी बताया कि 31 मार्च 2026 तक जनपद में कुल 134408 फार्म–06 ई–रोल अपडेट किए जा चुके है। उन्होने बताया कि कुल 418146 मतदाताओं को जारी नोटिस की सुनवाई की कार्यवाही जनपद स्तर पर हुयी, जिसमें अन्तिम प्रकाशन हेतु 413491 मतदाताओं को पात्र पाया गया तथा 4655 मतदाताओं को अपात्र पाते हुए फार्म–7 की कार्यवाही की गयी।

उन्होने बताया कि डीईओ पोर्टल पर अपलोड अन्तिम प्रकाशित मतदाता सूची का लिंकhttps://basti.nic.in/final-publicotion-voter-list-2026/ है। उन्होने यह भी बताया कि यदि जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुका है और यदि आपका नाम किसी कारणवश अन्तिम मतदाता सूची में शामिल नही हो सका है तो फार्म–6 भरकर मतदाता सूची में पंजीकृत करा सकते है। बैठक में एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, एसडीएम शत्रुध्न पाठक, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ओम प्रकाश, प्रधान सहायक अजय कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ सहायक पीयूष गुप्ता एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

शॉर्ट सर्किट से दुकान में आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
रुधौली (बस्ती)। नगर पंचायत रुधौली के शांतिनगर में गुरुवार देर रात शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस घटना में एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन के स्पेयर पार्ट्स की दुकान 'चिराग ट्रेडर्स' पूरी तरह जलकर राख हो गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, हादसे में करीब 25 से 30 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

यह घटना गुरुवार रात लगभग 12 बजे की बताई जा रही है। आग की चपेट में आकर दुकान में रखे कंप्रेसर, पीसीबी, इन्वर्टर, कैमरा, हार्ड डिस्क सहित कई महंगे उपकरण नष्ट हो गए।

दुकान मालिक जमशेद ने बताया कि उन्हें वार्ड के लोगों ने फोन पर आग लगने की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने दुकान में भीषण आग लगी देखी। तत्काल अग्निशमन विभाग और पीआरबी 112 को सूचित किया गया। स्थानीय लोगों के सहयोग और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक दुकान का पूरा सामान जल चुका था।

पीड़ित दुकानदार जमशेद ने बताया कि यह दुकान ही उनके परिवार के भरण–पोषण का एकमात्र साधन थी, जो अब पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। उन्होंने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। फिलहाल, पीड़ित परिवार को राजस्व टीम के सर्वे और मुआवजे का इंतजार है।

वार्षिकोत्सव बच्चों की रचनात्मकता को निखारने का प्रभावी माध्यम–मण्डलायुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। हर्रैया ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय रेवरादास में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंडलायुक्त बस्ती मंडल अखिलेश सिंह और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकिशोर सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में विद्यालय के स्टाफ संजय कुमार, डॉ वंदना सिंह, भागीरथी यादव, राजरतन बौद्ध, अनिल दुबे, अनीता वर्मा, सीता चौधरी, नेवालती वर्मा, वंदनी चौरसिया, प्रिया, पप्पू तिवारी के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। बच्चों की शानदार प्रस्तुति की सराहना करते हुए मंडलायुक्त ने कहा कि विद्यालय का वार्षिकोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्कृति का सुंदर संगम होता है। यह कार्यक्रम बच्चों की रचनात्मकता को निखारने का प्रभावी माध्यम है। इस प्रकार, वार्षिकोत्सव बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वार्षिकोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सीखने और आत्मविकास का महत्वपूर्ण अवसर होता है। इसके साथ ही, बच्चों में टीमवर्क, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। वे समय प्रबंधन, जिम्मेदारी निभाने और सहयोग की भावना सीखते हैं।विद्यालय के बच्चे सृष्टि, आंचल, अंशिका, दिव्यांशी, शारजहां, अनन्या, रागिनी, गरिमा, सिद्धि, साक्षी, श्लोक, शिवम, अमित, मोहित, अंजली, आलिया, सौम्या, आयुष आदि द्वारा एक से एक बढ़कर गीत, नाटक, कव्वाली, कजरी आदि प्रस्तुतियों ने बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, देश भक्ति, नशा मुक्ति, गांव गीत, बेटी गीत, स्कूल चलो अभियान, भगवान राम गीत, दहेज प्रथा नाटक आदि एक से एक बढ़कर प्रस्तुत दी गई। बच्चों के शानदार कार्यक्रम पर उन्हें पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विवेक कान्त पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर एसडीएम हर्रैया सत्येन्द्र सिंह, पूर्व प्रमुख योगेंद्र सिंह, रामनरेश सिंह मंजुल, डॉ अभय कुमार सिंह, बीईओ विजय आनंद, बड़कऊ वर्मा, थाना प्रभारी तहसीलदार सिंह, डॉ दीनानाथ पटेल, विनोद वर्मा, अंतेश सिंह बब्बू, पवन सिंह, सुभाष त्रिपाठी, चंद्रिका सिंह, बालकृष्ण ओझा, राजकुमार तिवारी, राम सागर वर्मा, विकास पाण्डेय, सत्यराम वर्मा, शिव प्रकाश सिंह, प्रमोद त्रिपाठी, रवीश मिश्र, मनोज मिश्र, काशीराम वर्मा, राजीव शुक्ल, गिरिजेश बहादुर सिंह, अखिलेश सिंह, योगेश सिंह, प्रशांत सिंह, मानिकराम वर्मा, सर्वदेव सिंह, शैलेश सिंह, हनुमान दूबे, इश्तियाक अहमद, अरुण शुक्ल, नरेंद्र पाण्डेय, संदीप सिंह, सुग्रीव वर्मा, आदित्य सिंह, जितेंद्र नाथ, विद्यासागर वर्मा, राजीव शरण, राघवेंद्र सिंह, हरि सिंह, भानू वर्मा, अमरचंद, भागवत सिंह, राकेश वर्मा, भीम सिंह आदि उपस्थित रहे।

यूपी में कट गये 2.05 करोड़ मतदाताओं के नाम

लखनऊ (आभा)। भारतीय निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी कर दिया है। यूपी के वोटर लिस्ट से 2.05 करोड़ मतदाताओं के नाम अलग–अलग आधार पर काट दिए गए हैं। वोटर छंटनी का यह आंकड़ा दिल्ली में मतदाताओं की कुल संख्या से भी करीब 30 फीसदी ज्यादा है। दिल्ली विधानसभा के लिए 2025 के चुनाव में जारी वोटर लिस्ट में कुल 1.55 करोड़ मतदाता थे। एसआईआर से पहले यूपी में 15.44 करोड़ वोटर थे, जिनकी संख्या अब 13.39 करोड़ रह गई है। उत्तर प्रदेश में 2027 के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में व्यापक कांट–छांट के राजनीतिक असर के चर्चे शुरू हो गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने शुक्रवार को लखनऊ में संवाददाता सम्मेलन के दौरान एसआईआर से जुड़े आंकड़े साझा किए और अंतिम मतदाता सूची के बारे में गौर करने लायक बातें बताई। अक्टूबर में एसआईआर की शुरुआत से पहले यूपी में 15.44 करोड़ वोटर थे। जनवरी में एसआईआर के बाद जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 12.55 करोड़ मतदाताओं के नाम बचे थे। 2.89 करोड़ नाम काट दिए गए थे। 2.89 करोड़ लोगों में 2.17 करोड़ लोग दूसरी जगह शिफ्ट, 46 लाख लोग मृत और 25.47 लाख लोग एक से ज्यादा बूथ की मतदाता सूची में दर्ज पाए गए थे। जारी अंतिम मतदाता सूची में 13.39 करोड़ वोटर हैं, यानी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 84 लाख से ज्यादा वोटर बढ़े हैं।

बस्ती नगरपालिका को मिला एक जेसीबी, एक पोकलैण्ड, अध्यक्ष नेहा वर्मा ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

–चरणबद्ध ढंग से पूरे किये जा रहे हैं विकास कार्य– नेहा वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। नगरपालिका परिषद अध्यक्ष नेहा वर्मा ने शुक्रवार को नगर पालिका परिषद बस्ती के बेड़े में दो नए वाहन एक जे.सी.बी. और एक मिनी पोकलैंड का विधि विधान से पूजन कर उसे हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कहा कि एक जे.सी.बी. और एक मिनी पोकलैंड मशीन के आ जाने से शहर को स्वच्छ रखने के साथ ही अन्य विकास कार्यों में सुविधा होगी। कहा कि नगर पालिका क्षेत्र के विकास के लिये निरन्तर चरणबद्ध अभियान जारी है। सड़क, पथ प्रकाश, शुद्ध पेयजल आपूर्ति के साथ ही वार्डो का विकास किया जा रहा है। नगरपालिका क्षेत्र के विकास के लिये अनेक लम्बित प्रस्तावों को स्वीकृति मिलते ही विकास कार्यो में और तेजी आयेगी।

अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में नागरिक समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण कराया जा रहा है।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अंकुर वर्मा, सभासद जगदीप श्रीवास्तव, जीवन चौधरी लारा कृष्ण कुमार पाण्डेय, परमेश्वर शुक्ल पप्पू, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, दिनेश गुप्ता, इन्द्रावती देवी, अमरावती देवी, रवि पासवान, महेन्द्र सोनकर, मो. आमिर, रमेश गुप्ता, सुभाष श्रीवास्तव डब्लू, शोभी सोनकर, अश्विनी श्रीवास्तव, प्रमोद कन्नौजिया, अमरनाथ चौरसिया, मृदुला शुक्ला, अभिषेक चौधरी के साथ ही अर्पित निगम, अर्चना कुमारी, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अवधेश चन्द्र यादव, सदन लिपिक राजीव शंकर श्रीवास्तव, वाहन लिपिक शुभम शेखर यादव, अजय तिवारी, अभिषेक सिंह, अमित कुमार शुक्ला के साथ ही पूर्व सभासद सचिन शुक्ल, आशीष शुक्ल के साथ ही नगरपालिका कर्मी, समासद आदि उपस्थित रहे।

भैंस के विवाद में पति की हत्या, पत्नी ने लगाया जान माल के रक्षा की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र के पैकवलिया पाली निवासिनी दुर्गावती ने भैंस के विवाद में उसके पति तिलकराम की हत्या मामले में दोषियों की गिरफ्तारी और अपने और परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

भीम युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद ने मामले में जांच और प्रभावी कार्यवाही की मांग किया। कहा कि न्याय न मिला तो आन्दोलन किया जायेगा।

एसपी को दिये पत्र में दुर्गावती ने कहा है कि गत 8 अप्रैल को सुबह करीब 9.30 बजे उसकी भैंस विपक्षी घनश्याम के दरवाजे पर चली गयी पुरानी रंजिश के कारण घनश्याम पुत्र जेदू व मंजू पत्नी घनश्याम व उसका लड़का सिद्धार्थ उर्फ लकी पुत्र घनश्याम जैसे ही उसके पति तिलकराम भैंस पकड़ने उसके दरवाजे पर गये तीनो लोगों ने मिलकर ईट से कूच कर उसके पति की हत्या कर दिया। चीख सुनकर वह दौड़ी तो उसे भी ईट लेकर मारने के लिए दौड़े। किसी तरह से उसकी जान बची। मौके पर पहुंची पुलिस एम्बुलेंस से उसके पति को सीएचसी ले गयी जहां डाक्टर ने उसके पति को मृतक घोषित कर दिया। उससे घटना की तहरीर थाने पर दिया।

दुर्गावती ने कहा है कि अभियुक्त घनश्याम मंजू सिद्धार्थ अब उसे भी मार कर खत्म कर देने की धमकी दे रहे है। उसकी भैंस जिस घर पर है उसे भी धमकी दे रहे है। ऐसी स्थिति में अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के साथ ही उसके और परिवार के जान माल की सुरक्षा करायी जाय। एसपी को ज्ञापन देने के दौरान अनिल कुमार, वीरेन्द्र कुमार, फूलचन्द्र गौतम, पूनम देवी, पुनीता देवी, जितेन्द्र प्रसाद, मोहनलाल, उमेश चन्द्र, रंगीलाल आदि शामिल रहे।

सदैव याद किया जायेगा होम्योपैथी के जन्मदाता सैमुएल हैनिमैन का योगदान–डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। होम्योपैथी के जन्मदाता सैमुएल हैनिमैन की जयंती शुक्रवार को पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड आयुष पैरा मेडिकल कालेज गोटवा में विश्व होम्योपैथी दिवस के रूप में मनाया गया। प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा, डाक्टर और छात्रों ने सैमुएल हैनिमैन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद आयोजित कार्यक्रम में डा. वर्मा ने उपस्थित लोगों को सैमुएल हैनिमैन और होम्योपैथी औषधियों के कारगर प्रयोग की विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि होम्योपैथी अब भारत सहित पूरी दुनियां में मरीजों के साथ ही असाध्य रोगों का भी कारगर उपचार कर रही है। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि हृदय रोग, पथरी, डेगू, चिकनगुनिया आदि रोगों में होम्योपैथी कारगर सिद्ध हो रही है।

डा. वर्मा ने बताया कि सैमुएल हैनिमैन का जन्म 1755 में हुआ था। वह यूरोप देश के जर्मनी के निवासी थे वे एलोपैथी के चिकित्सक थे साथ में बहुत सारी यूरोपियन भाषाओं के ज्ञाता भी थे । उनके पिताजी एक पेंटर थे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी । स्कूली शिक्षा के बाद एक मेडिकल की तैयारी करने के लिए कॉलेज गए इनकी पारिवारिक स्थिति कमजोर होने के कारण इन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा इनके कॉलेज के एक अध्यापक ने इनकी गरीबी को देखकर इनकी पढ़ाई में इनका सहयोग किया और पैसे की तंगी के बाद भी इनकी पढ़ाई लगातार चलती रही जब उन्होंने मेडिकल कंप्लीट किया तो इन्हें प्रेक्टिस करना था प्रेक्टिस करने के लिए ये गांव गांव में प्रेक्टिस करने लगे लेकिन प्रेक्टिस करने के दौरान उन्हें उस समय की चिकित्सा प्रणाली ठीक नहीं लगी क्योंकि उस समय आधुनिक तरह–तरह से चिकित्सा करने की प्रणालियों की कमी थी जिस वजह से उन्होंने अपनी प्रेक्टिस को बीच में ही छोड़ दिया और होम्योपैथी चिकित्सा का वरदान समूचे विश्व को दिया।

उपस्थित लोगों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये डा. वर्मा ने बताया कि होम्योपैथी लक्षणों पर आधारित चिकित्सा पद्धति है और इसके द्वारा अनेक असाध्य रोगों को दूर किया जा सकता है। सैमुएल हैनिमैन की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. आलोक रंजन वर्मा, चन्दा सिंह, डा. मनोज कुमार, डा. आर.एन. चौधरी, शिव प्रसाद, रितेश चौधरी, राजेश सिंह, लालजी, पवन गुप्ता, डा. गुलाब चन्द वर्मा, हिमांशी वर्मा, उमा दूबे, वीरेन्द्र वर्मा, विनोद कुमार, शालू, फूलपत्ती, शिप्रा, लक्ष्मी, गोल्डी के साथ ही छात्र शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 अपैल 2026 शनिवार

सम्पादकीय

महिला आरक्षण और लोकतंत्र

साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5ः थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए।

आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर ज्यादातर वोट बैंक के नजरिये से। उनको उचित प्रतिधिनित्व आज भी नहीं मिल पाया है, जबकि हर क्षेत्र में समान अधिकार की बात की जाती है। मौजूदा लोकसभा में महज 14ः महिला सांसद हैं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में तो स्थिति और खराब है – महज 10ः महिला विधायक। और जब महिलाओं को मौका ही नहीं मिलेगा, तो यह सुधरेगा कैसे। भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर वोटिंग का अधिकार देकर दुनिया के सामने नजीर पेश की थी, पर इसके अगले चरण – राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी में देश पीछे रह गया। साल 1996 में एचडी देवेगौड़ा की सरकार में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया था और तब से तीन दशकों में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। अब सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल में एक चुनावी रैली में महिलाओं से विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की अपील की, ताकि संसद में महिला आरक्षण बिल बिना किसी विरोध के पास हो सके। आदर्श स्थिति तो यह होगी कि बिल को हर दल का साथ मिले, दबाव बनाने और विरोध की नौबत ही न आए। देर से ही सही, कम से कम अब इस काम को अंजाम तक पहुंच जाना चाहिए। जब सदन में ज्यादा महिलाएं होंगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को ज्यादा आवाज मिलेगी। उनकी समस्याओं पर ज्यादा सटीक और संवेदनशील चर्चा हो सकेगी, जिससे नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं की अनगिनत उपलब्धियों के बावजूद राजनीति उन कुछ क्षेत्रों में है, जहां उन्हें बराबर मौके नहीं मिल पाते। महिला आरक्षण बिल इस कमी को दूर करेगा। इस बदलाव का असर पूरे समाज पर पड़ेगा। महिला आरक्षण का सवाल सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं, भारत के लोकतंत्र को और संतुलित व न्यायपूर्ण बनाने का मुद्दा है।

चुनावों में विपक्षी एकजुटता

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों में से असम, केरलम एवं पुडुचेरी के लिए मतदान हो चुका है और बंगाल एवं तमिलनाडु के मतदाताओं को अपना निर्णय करना अभी शेष है। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार देश में एक साथ इतने बड़े पैमाने पर चुनाव हो रहे हैं तो स्वाभाविक है कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी उसका असर दिखेगा। देखा जाए तो चार मई को आने वाले नतीजे केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियों को आईना दिखाने के साथ भावी राजनीति की दिशा निर्धारित करने का काम भी करेंगे। इस दौरान जहां मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर से लेकर निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन जैसी संस्थागत प्रक्रियाओं की परख होगी तो महिला आरक्षण विधेयक के कानून के अमल में आने से भी राजनीतिक दलों को अपने समीकरण नए सिरे से तैयार करने होंगे।

अगर राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो पांच राज्यों के चुनाव राष्ट्रीय दलों के साथ–साथ क्षेत्रीय पार्टियों के लिए भी अस्तित्व बचाए रखने की चुनौती है। असम में भाजपा और बंगाल में तृणमूल कांग्रेस लंबे समय से राज्य की सत्ता पर काबिज हैं। केरलम में वामपंथी दलों के गठबंधन ने पिछले विधानसभा चुनाव में बारी–बारी से सत्ता बदलने वाले रुझान को धता बताते हुए कांग्रेस को हैरान किया था। तमिलनाडु में दोनों ही राष्ट्रीय दल मुख्य मुकाबले से बाहर अपने सहयोगियों के भरोसे हैं। पुडुचेरी की कहानी भी कमोबेश ऐसी ही है।

इस तरह दोनों ही राष्ट्रीय दलों का दो–दो राज्यों में बहुत कुछ दांव पर लगा होने के साथ ही एक राज्य में ही सीधा मुकाबला है। प्रतीत होता है कि भाजपा ने असम को अपना गढ़ बना लिया है और इस चुनाव में भी वहां कांग्रेस को अंदरूनी कलह का सामना करना पड़ा जब चुनावों के दौरान ही उसके दो दिग्गज नेता भाजपाई खेमे से जुड़ गए। केरलम में जरूर वामपंथी दलों के दस साल के शासन से सत्ता विरोधी रुझान के दम पर कांग्रेस उम्मीदें पाले हुए है। अगर कांग्रेस इन दोनों राज्यों में खास प्रदर्शन नहीं कर पाती तो निश्चित ही राष्ट्रीय राजनीति से जुड़ी उसकी आकांक्षाओं को आघात पहुंचेगा।

बंगाल और तमिलनाडु, दोनों राजनीतिक रूप से बड़े राज्य हैं। लोकसभा की अच्छी–खासी सीटें भी इनकी राजनीतिक महत्ता और बढ़ा देती हैं। दोनों ही जगह क्षेत्रीय दल मजबूती से टिके हुए हैं। पहले माकपा के नेतृत्व में वामपंथी दलों और फिर तृणमूल कांग्रेस का मजबूत किला बन चुका बंगाल लंबे अर्से से राष्ट्रीय दलों को मायूस ही करता आया है। पिछले चुनाव में भाजपा ने भरसक प्रयास किए, फिर भी ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर नहीं कर पाई। तमिलनाडु में जयललिता के निधन के बाद से ही द्रमुक ने अपनी पकड़ जिस तरह मजबूत की हुई है, वह कमजोर होती नहीं दिख रही। भाजपा ने इस राज्य में भी सेंध लगाने के लिए कोशिश तो बहुत की, लेकिन थक हारकर सहयोगियों के दम पर ही आगे बढ़ने का विकल्प अपनाया। अभिनेता से नेता बने विजय के राजनीति में उतरने से भी राज्य का चुनाव रोचक हो गया है। बहरहाल, इन दोनों राज्यों के नतीजे क्षेत्रीय क्षत्रपों की राज्य की सत्ता पर पकड़ के साथ ही राष्ट्रीय राजनीति में उनके असर को भी निर्धारित करेंगे।

पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार के चुनावों की पृष्ठभूमि में भी जमीन–आसमान का अंतर है और इसका असर परिणामों को भी प्रभावित कर सकता है। 2021 के चुनाव कोविड महामारी के प्रकोप के दौरान हुए थे। उसने चुनाव अभियान से लेकर मतदान तक पर अपना असर दिखाया था। उसकी तुलना में इस बार चुनाव सामान्य परिस्थितियों में हो रहे हैं। असम, केरलम और पुडुचेरी में मतदान प्रतिशत में जबरदस्त बढ़ोतरी भी इसे स्पष्ट रूप से रेखांकित कर रही है। एक और महत्वपूर्ण पहलू एसआइआर का भी है। एसआइआर से असम, केरलम और पुडुचेरी में तो बहुत ज्यादा मतदाताओं के नाम नहीं कटे और वहां बहुत विवाद भी नहीं हुआ। जबकि तमिलनाडु में 70 से 80 लाख और बंगाल में करीब एक करोड़ नाम एसआइआर के चलते मतदाता सूची से कटे हैं। यह एक बहुत बड़ा आंकड़ा है। बिहार का जनादेश इसका स्पष्ट उदाहरण रहा कि एसआइआर में कटे संदिग्ध मतदाताओं के नाम न केवल मतदान प्रतिशत, बल्कि अंतिम परिणामों को भी एक बड़ी हद तक प्रभावित करते हैं। विपक्षी दलों के कई नेता आइएनडीआइए का नेतृत्व करने के लिए उनके नाम को आगे बढ़ाते रहे हैं। ऐसे में इन चुनावों के नतीजे विपक्षी गठबंधन की एकता को भी प्रभावित करते दिखाई पड़ सकते हैं।

जलसंधि रूपी समुद्र की संकीर्ण राहें और दुनिया की व्यापक ताकत

—अखिल कुमार यादव—

हाल ही में Hormuz Strait (हार्मुज जलसंधि) ने वैश्विक मंच पर असाधारण चर्चा हासिल की। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ती आशंकाएँ और तेल टैंकरों की आवाजाही में आई सुस्ती ने पूरी दुनिया का ध्यान इस संकीर्ण जलमार्ग की ओर खींच लिया। जब इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की संख्या घटती है, तो उसका प्रभाव केवल खाड़ी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि न्यूयॉर्क से लेकर नई दिल्ली तक के बाजारों में महसूस किया जाता है। तेल की कीमतों में उछाल, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताकृये सब इस बात के संकेत हैं कि आधुनिक दुनिया की स्थिरता कुछ बेहद संकीर्ण समुद्री रास्तों पर टिकी हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कितनी गहराई से भूगोल पर निर्भर है।

जलसंधि, परिभाषा के स्तर पर, दो बड़े जल निकायों को जोड़ने वाला एक संकीर्ण जलमार्ग है, जो दो भूभागों को अलग करता है। लेकिन व्यवहार में यह परिभाषा बहुत सीमित है। वास्तव में, जलसंधियाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था की धमनियाँ हैं, जिनके माध्यम से ऊर्जा, व्यापार और सामरिक शक्ति का प्रवाह होता है। इन्हें ष्चोक पॉइंटष् (संकीर्ण नियंत्रण बिंदु) भी कहा जाता है ऐसे स्थान जहाँ से होकर गुजरने वाला यातायात नियंत्रित किया जा सकता है और जिनकी बाधा पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण है हार्मुज जलसंधि, जहाँ से होकर दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन होता है। यह मार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है और सऊदी अरब, इराक, कुवैत तथा संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के ऊर्जा निर्यात की जीवनरेखा है। लेकिन हार्मुज अकेला नहीं है। वैश्विक समुद्री मानचित्र पर कई ऐसे जलमार्ग हैं, जिनकी भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है। दक्षिण–पूर्व एशिया में स्थित मलक्का जलसंधि (जतंपज व डिंस. बब) दुनिया का सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग माना जाता है। यह हिंद महासागर को दक्षिण चीन सागर से जोड़ता है और एशिया, यूरोप तथा अफ्रीका के बीच व्यापार का प्रमुख रास्ता है। अनुमान है कि हर वर्ष लाखों टन माल इसी मार्ग से होकर गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित हो जाए, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है, जिससे उद्योगों, बाजारों और उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ता है। इसी प्रकार बाब–अल–मंदेब जलसंधि लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ता है और यूरोप तथा एशिया के बीच व्यापार की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह मार्ग स्वेज नहर से जुड़ा हुआ है, जो भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ता है। इन दोनों मार्गों के माध्यम से यूरोप और एशिया के बीच समुद्री दूरी काफी कम हो जाती है। यदि इनमें किसी प्रकार की रुकावट आती है, तो जहाजों को अफ्रीका के दक्षिणी छोर, केप ऑफ गुड होप, से होकर लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे समय और लागत दोनों बढ़ जाते हैं।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि जलसंधियों और समुद्री मार्गों पर नियंत्रण हमेशा से शक्ति का प्रतीक रहा है। 1956 का स्वेज संकट इसका स्पष्ट उदाहरण है, जब मिस्र द्वारा स्वेज नहर के राष्ट्रीयकरण के बाद ब्रिटेन, फ्रांस और इजराइल के साथ संघर्ष ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को हिला दिया था। इसी तरह ईरान–इराक युद्ध के दौरान खाड़ी क्षेत्र में तेल टैंकरों पर हमले हुए, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति खतरे में पड़ गई। हाल के समय में एवर गिवेन जहाज स्वेज नहर ब्लॉकेज घटना ने दुनिया को यह दिखाया कि एक जहाज के फंस जाने से भी वैश्विक व्यापार कैसे ठप हो सकता है। यह घटना आधुनिक वैश्विक व्यवस्था की नाजुकता को उजागर करती है।

यूरोप की जलसंधियाँ भी सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही हैं। जिब्राल्टर जलसंधि अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर को जोड़ती है और यह यूरोप तथा अफ्रीका के बीच एक महत्वपूर्ण समुद्री द्वार है। इसी तरह बोस्फोरस जलसंधि व डार्डानेल्स जलसंधि काला सागर को भूमध्य सागर से जोड़ते हैं। रूस और पूर्वी यूरोप के देशों के लिए ये मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनके माध्यम से ही वे वैश्विक समुद्री व्यापार में भागीदारी करते हैं। इन जलमार्गों पर नियंत्रण क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करता है।

भारत के लिए जलसंधियों का महत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारत का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक व्यापार समुद्री मार्गों के माध्यम से होता है और ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा हार्मुज जलसंधि से होकर आता है। इसके अलावा मलक्का जलसंधि भारत के पूर्वी एशिया के साथ व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इन मार्गों में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है, तो इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई दर और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ता है। यही कारण है कि भारत अपनी समुद्री सुरक्षा नीति में इन जलसंधियों की निगरानी और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। भारतीय नौसेना की सक्रियता और हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी बढ़ती उपस्थिति इसी रणनीति का हिस्सा है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में यह भी देखा जा रहा है कि देश पारंपरिक जलमार्गों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक मार्गों की तलाश कर रहे हैं। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ के पिघलने से ष्नॉर्दर्न सी रूटष् (उत्तरी समुद्री मार्ग) जैसे नए रास्ते उभर रहे हैं, जो भविष्य में यूरोप और एशिया के बीच दूरी को कम कर सकते हैं। इसी तरह Belt and Road Initiative (बेल्ट एंड रोड पहल) के तहत स्थलीय और समुद्री मार्गों का एक व्यापक नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, तेल और गैस के लिए पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार भी एक महत्वपूर्ण रणनीति बन गया है, ताकि समुद्री मार्गों में किसी भी संकट का प्रभाव सीमित किया जा सके। इसके साथ ही, समुद्री सुरक्षा के नए आयाम भी सामने आ रहे हैं। समुद्री डकैती, आतंकवाद, साइबर हमले और क्षेत्रीय संघर्ष जैसे खतरे इन जलमार्गों की सुरक्षा को और अधिक जटिल बना रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, संयुक्त नौसैनिक अभ्यास और तकनीकी निगरानी प्रणालियाँ इन चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक हो गई हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाएँ भी समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फिर भी, इन सभी प्रयासों के बावजूद जलसंधियों का महत्व कम नहीं हुआ है। बल्कि वैश्विक व्यापार के विस्तार और ऊर्जा की बढ़ती मांग के साथ इनकी भूमिका और भी बढ़ गई है। ये जलमार्ग न केवल आर्थिक गतिविधियों को गति देते हैं, बल्कि देशों के बीच शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करते हैं। जिस देश का इन पर नियंत्रण या प्रभाव होता है, वह वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति को मजबूत कर सकता है। यदि हम विश्व मानचित्र को ध्यान से देखें, तो पाएंगे कि ये जलसंधियाँ मानो मानव शरीर की नसों की तरह हैं संकीर्ण, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण। इनके माध्यम से ही वैश्विक व्यापार का रक्त प्रवाहित होता है। एक छोटी सी रुकावट भी पूरे तंत्र को प्रभावित कर सकती है। हार्मुज की हालिया स्थिति ने इस सत्य को एक बार फिर उजागर कर दिया है कि आधुनिक दुनिया की स्थिरता कुछ चुनिंदा भौगोलिक बिंदुओं पर टिकी हुई है।

अंततः, जलसंधियाँ हमें यह समझाती हैं कि भूगोल केवल स्थिर नक्शों का विषय नहीं है, बल्कि यह जीवंत, गतिशील और शक्ति से परिपूर्ण तत्व है। आज जब दुनिया परस्पर निर्भरता के नए युग में प्रवेश कर चुकी है, तब इन संकीर्ण जलमार्गों का महत्व और भी बढ़ गया है। भविष्य चाहे कितना भी तकनीकी और उन्नत क्यों न हो जाए, समुद्रों के ये रास्ते हमेशा वैश्विक व्यवस्था की रीढ़ बने रहेंगे। दुनिया भले ही महाद्वीपों में विभाजित हो, लेकिन उसकी असली धड़कन इन जलसंधियों में ही बहती हैकृऔर यही धड़कन तय करती है कि वैश्विक शक्ति का प्रवाह किस दिशा में जाएगा।

तीन राज्यों में भारी मतदान का संदेश

—नीरज कुमार दुबे—

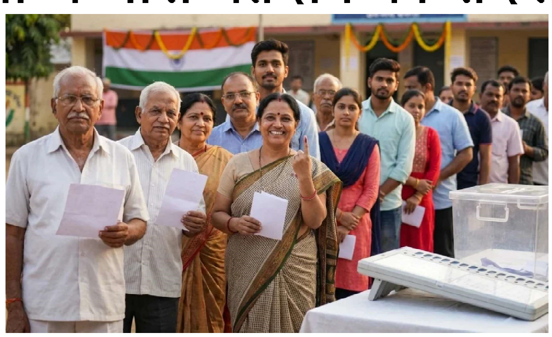

असम, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में इस बार जबरदस्त मतदान ने लोकतंत्र की मजबूती का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। लगभग 80 प्रतिशत के औसत मतदान ने यह संकेत दिया है कि जनता न केवल राजनीतिक रूप से जागरूक है, बल्कि अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इतना ही नहीं, इस भारी मतदान ने राजनीतिक दलों की धड़कनें भी तेज कर दी हैं, क्योंकि हर दल इसे अपने पक्ष में जनसमर्थन के रूप में देख रहा है। हालांकि इस बंपर मतदान के वास्तविक मायने क्या हैं, यह समझने के लिए तीनों राज्यों का अलग अलग विश्लेषण जरूरी है।

सबसे पहले बात असम की करें तो यहां का मतदान प्रतिशत न केवल पिछले चुनावों से अधिक रहा बल्कि कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पहले के चुनावों के मुकाबले अधिक है। खास बात यह रही कि सोलह निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान नब्बे प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। दलगांव में तो मतदान लगभग 95 प्रतिशत के करीब रहा, जो राज्य में सबसे अधिक है।

असम में चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से दो ध्रुवों के बीच रहा। एक ओर भाजपा के नेतृत्व वाला सत्तारुढ़ गठबंधन है जो लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष गठबंधन सत्ता में वापसी के लिए संघर्षरत है। इसके अलावा कुछ क्षेत्रीय दल भी कुछ सीटों पर प्रभाव डालने की स्थिति में हैं।

यहां मतदान का एक महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता के रूप में सामने आया। निचले असम के क्षेत्रों में, जहां अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहां मतदान प्रतिशत अत्यधिक रहा। बरपेटा, बोंगाईगांव और धुबरी जैसे जिलों में मतदान नब्बे प्रतिशत से ऊपर दर्ज किया गया। इसके विपरीत ऊपरी असम के क्षेत्रों में मतदान अपेक्षाकृत कम रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि चुनावी उत्साह उन क्षेत्रों में अधिक था जहां मुकाबला अधिक तीखा है। हालांकि मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर हिंसा की घटनाएं भी सामने आईं, लेकिन कुल मिलाकर मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। भारी मतदान को लेकर सत्तारुढ़ नेतृत्व ने इसे ऐतिहासिक बताया और इसे जनता के विश्वास का प्रतीक माना।

अब केरल की बात करें तो यहां का चुनाव परंपरागत रूप से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच होता रहा है। इस बार भी मुख्य मुकाबला सत्तारुढ़ वाम मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ मोर्चे के बीच रहा, जबकि तीसरा विकल्प बनने की कोशिश कर रहा भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगा है।

केरल में लगभग 77 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले चुनाव से अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक कोझिकोड जिले में सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जबकि कुछ क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। केरल में इस बार चुनाव का मुख्य सवाल यह रहा कि क्या सत्तारुढ़ गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगा या फिर विपक्ष वापसी करेगा? उच्च मतदान को लेकर अलग अलग राजनीतिक दलों ने अलग अलग दावे किए हैं। सत्तारुढ़ पक्ष इसे अपनी नीतियों के समर्थन के रूप में देख रहा है, जबकि विपक्ष इसे बदलाव की इच्छा का संकेत बता रहा है।

हम आपको बता दें कि उत्तर केरल यानी मलाबार क्षेत्र इस बार भी चुनावी परिणामों की कुंजी माना जा रहा है। यहां की साठ सीटों पर तीनों प्रमुख राजनीतिक धाराओं की नजर है। पिछले चुनाव में इस क्षेत्र में सत्तारुढ़ दल को बड़ी सफलता मिली थी, लेकिन इस बार विपक्ष यहां बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है। कई सीटों पर कड़ा मुकाबला और अस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान इस क्षेत्र को और भी महत्वपूर्ण बना देता है।

अब पुडुचेरी की बात करें तो यहां सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो लगभग नब्बे प्रतिशत के करीब रहा। यह पिछले सभी रिकॉर्ड को पार करता हुआ दिखाई देता है। यहां मुकाबला मुख्य रूप से दो गठबंधनों के बीच है। एक ओर सत्तारुढ़ एनडीए गठबंधन है तो दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष। पुडुचेरी में चुनावी मुद्दों में राज्य का दर्जा, बेरोजगारी और जल प्रदूषण जैसे विषय प्रमुख रहे। इसके अलावा एक नए राजनीतिक दल की एंट्री ने भी चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। उच्च मतदान से यह संकेत मिलता है कि जनता इन मुद्दों को लेकर गंभीर है और बदलाव या स्थिरता में से किसी एक को स्पष्ट रूप से चुनना चाहती है।

तीनों राज्यों के आंकड़ों को मिलाकर देखें तो कुल मिलाकर पांच करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया और कुल एक हजार नौ सौ से अधिक उम्मीदवार मैदान में रहे। यह संख्या इस बात को दर्शाती है कि लोकतंत्र में भागीदारी कितनी व्यापक है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारी मतदान सत्ता परिवर्तन का संकेत है या फिर यह सत्तारुढ़ दलों के प्रति विश्वास को दर्शाता है? चुनावी विशेषज्ञों की राय इस पर बंटी हुई है। कुछ का मानना है कि जब लोग बड़ी संख्या में मतदान करते हैं तो यह बदलाव की इच्छा का संकेत होता है, जबकि अन्य इसे सरकार के प्रति संतोष के रूप में देखते हैं। वैसे कई विश्लेषकों का यह भी कहना है कि तीनों ही राज्यों में चुनाव प्रचार के दौरान जो बात सबसे प्रमुख तौर पर नजर आई वह यह थी कि सरकार के खिलाफ नाराजगी जरूर दिखी लेकिन सरकार बदलने का भाव जनता के बीच नहीं दिखा।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि असम में क्षेत्रीय ध्रुवीकरण, केरल में परंपरागत मुकाबला और पुडुचेरी में सीधी टक्कर ने इन चुनावों को बेहद रोमांचक और निर्णायक बना दिया है। भारी मतदान ने लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने का काम किया है और यह साफ संकेत दिया है कि जनता अपने अधिकार को लेकर पहले से अधिक सजग है। अब सबकी नजर मतगणना पर टिकी है, क्योंकि असली तस्वीर वही सामने लाएगी जो इस जनभागीदारी के पीछे छिपे जनमत को स्पष्ट करेगी।–(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कैसे हो जल की शुद्धता

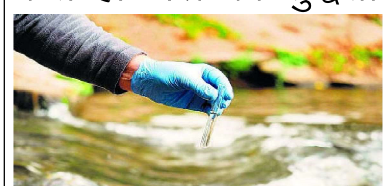

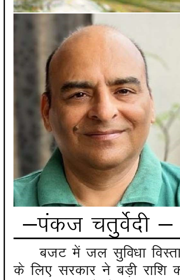

—पंकज चतुर्वेदी —

बजट में जल सुविधा विस्तार के लिए सरकार ने बड़ी राशि का प्रावधान किया है लेकिन जब तक सरकार 'नल' लगाने की संख्या की होड़ छोड़कर 'जल' की गुणवत्ता, वर्षा जल संचयन और जवाबदेह प्रबंधन पर ध्यान नहीं देगी, तब तक बजट की घोषणाएं सार्थक न होंगी। भारत दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, लेकिन हमारे पास वैश्विक मीठे पानी के संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध है। यह असंतुलन ही देश में जल संकट की बुनियादी जड़ है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय उच्च से अत्यधिक जल तनाव का सामना कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या हम अपने नागरिकों को एक गिलास शुद्ध पानी देने में सक्षम हैं?

इस साल के फरवरी 2026 में पेश किए गए केंद्रीय बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ रुपये का आवंटन कर सरकार ने अपनी मंशा तो साफ कर दी है। लेकिन जल जीवन मिशन और 'अमृत' जैसे प्रोजेक्ट्स के पिछले सात वर्षों के सफर को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि व्यवस्था ने केवल पाइप बिछाने की गति को ही सफलता मान लिया, जबकि पानी की शुद्धता और उसकी निरंतरता को हाशिए पर धकेल दिया गया।

भारत के शहरी–ग्रामीण इलाकों में दूषित पानी को लेकर बात करें तो दिसंबर, 2025 से जनवरी 2026 के पहले सप्ताह के बीच ही देश के 26 प्रमुख शहरों में सीवेज मिश्रित पानी पीने से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और कम से कम 34 लोगों की मौत दर्ज की गई। भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दिसंबर, 2025 के अंतिम सप्ताह में पाइपलाइन में सीवेज का पानी मिलने से 37 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से अधिक लोग अस्पताल पहुंच गए। इसी तरह, जनवरी, 2026 की शुरुआत में बेंगलुरु के पॉश इलाकों और गांधीनगर (गुजरात) में सैकड़ों बच्चे दूषित पानी के कारण टाइफाइड और डायरिया का शिकार हुए।

अगस्त, 2019 में जब 'जल जीवन मिशन' शुरू हुआ, तब लक्ष्य था 2024 तक हर घर को नल से जोड़ना। सरकारी पोर्टल के अनुसार, जनवरी 2026 तक देश के लगभग 15.8 करोड़ घरों में नल लग चुके हैं। लेकिन इस 'संख्यात्मक सफलता' के पीछे एक बड़ा ढांचागत दोष है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 79वें दौर के आंकड़ों के अनुसार, पाइपलाइन कवरेज के बावजूद केवल 39 प्रतिशत ग्रामीण घर ही नल के पानी को अपने प्राथमिक स्रोत के रूप में उपयोग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में यह उपयोग दर 10 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच है।देखा गया कि हजारों गांवों में पाइप और नल तो लगे हैं, लेकिन पानी का दबाव इतना कम है कि वह अंतिम घर तक नहीं पहुंचता। कई स्थानों पर तो नल केवल 'शोपीस' बनकर रह गए हैं। फिर नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पहाड़ी क्षेत्रों के 60 प्रतिशत जल स्रोत सूख चुके हैं। मैदानी इलाकों में भूजल का स्तर इतनी तेजी से गिर रहा है कि नलों के लिए पानी का कोई स्थायी स्रोत ही नहीं बचा है। जवाबदेही की कमी के कारण पाइपलाइनें बिछाने के कुछ महीनों बाद ही फटने लगी हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत नरखोरिया वि.खं. रामनगर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **नरखोरिया** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि/ अन्त्येष्टि स्थल का विकास/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **नरखोरिया** के निविदा बाक्स में दिनांक 20–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 11–04–2026 से दिनांक 19–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **नरखोरिया** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **नरखोरिया** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **नरखोरिया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री/उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(जितेन्द्र कुमार) प्रधान ग्राम पंचायत–**नरखोरिया**

(आशुतोष कुमार पाल) सचिव ग्राम पंचायत–**नरखोरिया**

पत्रांक/ मेमो/टेण्डर विज्ञप्ति 2026/27 दिनांक 10.04.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत बेलगड़ी वि.खं. रामनगर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **बेलगड़ी** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि/ अन्त्येष्टि स्थल का विकास/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **बेलगड़ी** के निविदा बाक्स में दिनांक 20–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 11–04–2026 से दिनांक 19–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **बेलगड़ी** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **बेलगड़ी** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बेलगड़ी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री/उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(दिनेश कुमार पाण्डेय) प्रधान ग्राम पंचायत–**बेलगड़ी**

(शालिनी त्रिपाठी) सचिव ग्राम पंचायत–**बेलगड़ी**

पत्रांक/ मेमो/टेण्डर विज्ञप्ति 2026/27 दिनांक 10.04.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत दरियापुर जंगल वि.खं. रामनगर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **दरियापुर जंगल** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि/ अन्त्येष्टि स्थल का विकास/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **दरियापुर जंगल** के निविदा बाक्स में दिनांक 20–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 01:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 11–04–2026 से दिनांक 19–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **दरियापुर जंगल** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **दरियापुर जंगल** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **दरियापुर जंगल** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री/उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(उर्मिला देवी) प्रधान ग्राम पंचायत–**दरियापुर जंगल**

(महेन्द्रनाथ) सचिव ग्राम पंचायत–**दरियापुर जंगल**

पत्रांक/ मेमो/टेण्डर विज्ञप्ति 2026/27 दिनांक 10.04.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत इब्राहिम चक शेखापुर वि.खं. रामनगर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **इब्राहिम चक शेखापुर** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि/ अन्त्येष्टि स्थल का विकास/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **इब्राहिम चक शेखापुर** के निविदा बाक्स में दिनांक 20–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 11–04–2026 से दिनांक 19–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **इब्राहिम चक शेखापुर** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **इब्राहिम चक शेखापुर** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **इब्राहिम चक शेखापुर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री/उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(मनोज कुमार पाण्डेय) प्रधान ग्राम पंचायत–**इब्राहिम चक शेखापुर**

(शैलेन्द्र कुमार राव) सचिव ग्राम पंचायत–**इब्राहिम चक शेखापुर**

पत्रांक/ मेमो/टेण्डर विज्ञप्ति 2026/27 दिनांक 10.04.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत कथकपुरवा वि.खं. रुधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **कथकपुरवा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि/ अन्त्येष्टि स्थल का विकास/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **कथकपुरवा** के निविदा बाक्स में दिनांक 17–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 11–04–2026 से दिनांक 16–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **कथकपुरवा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **कथकपुरवा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **कथकपुरवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री/उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(मोहम्मद असलम) प्रधान ग्राम पंचायत–**कथकपुरवा**

(तीरथ प्रसाद) सचिव ग्राम पंचायत–**कथकपुरवा**

पत्रांक/ मेमो/टेण्डर विज्ञप्ति 2026/27 दिनांक 10.04.2026

ग्राम पंचायत मधवापुर कला विकास खण्ड– खुनियांव, जनपद–सिद्धार्थनगर

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत **मधवापुर कला** द्वारा जी राम जी / राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना / विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) / 15वां / 16वां वित्त /केन्द्रीय वित्त / पंचम राज्य वित्त आयोग /उत्सव भवन / स्वच्छ भारत मिशन/एम.एल. एल. डब्ल्यू. एम. / सांसद / विधायक एम. एल. सी. निधि के अन्तर्गत वर्ष 2026–2027 में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (प्रथम श्रेणी ईंट, सीमेंट, ईंट की गिट्टी, पत्थर की गिट्टी, सरिया, पेंट, साइनबोर्ड, ह्यूम पाइप, स्ट्रीट लाइट, सफाई सामग्री, बेला, सादा बालू, मोरंग बालू, कूड़ादान, प्लास्टिक बैंक, ई–रिक्शा साइकिल, ई–रिक्शा मरम्मत, स्वच्छता किट, इन्सिनरेटर आदि एवं अन्य प्रकार की निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। इस निमित्त निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 19–04–2026 को समय 02 :00 बजे तक अपनी निविदा फार्म मूल्य रू100.00 के स्टाम्प पेपर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **मधवापुर कला** निविदा बॉक्स में डालेंगे। निविदा उसी दिन 03:00 बजे निविदाताओं के समक्ष खोली जाएगी। शर्तें एवं नियमावली: 1. अधिकृत फर्म/अधिकृत डीलर का जी. एस.टी. रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 03 वर्ष का आयकर क्लियरेंस संलग्न करना अनिवार्य है। 2. जी. एस. टी. तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर ही दरें प्रस्तुत की जाएं। 3. आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2.28 प्रतिशत आयकर/टीडीएस देना होगा। 4. प्रस्तुत दरें पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी। भुगतान पी.डब्ल्यू.डी. के समयानुसार तय दर पर ही किया जाएगा। 5. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, टीए, अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जाएगी 16. धरोहर की धनराशि रू 5000.00 (पांच हजार) होगी। 7. धरोहर की राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफडीआर/एनएससी एवं डाकघर के बचत पत्र के रूप में सचिव ग्राम पंचायत के नाम बंधक होगी। मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 8. निविदा स्वीकृत होने के उपरांत ग्राम प्रधान सचिव ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी। 9. आदेश देने के सात दिनों के अंदर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जाएगी। 10. सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 11. सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 12. आपूर्ति कर्ता को भुगतान का इंजीनियर/अवर अभियंता (या अभियंता) /तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा माप के उपरांत किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र रू 100.00 में ही स्वीकार किया जाएगा। 14. निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है। 15. निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 16. निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत **मधवापुर कला** से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। 17. जिस कार्य की निविदा पृथक से निकाली जाएगी उस कार्य पर इस निविदा की शर्तें लागू नहीं होंगी।

ग्राम प्रधान नार्मल ग्राम पंचायत–मधवापुर कला विकास खण्ड खुनियांव, सिद्धार्थनगर

सचिव लवकुश प्रसाद ग्राम पंचायत–मधवापुर कला विकास खण्ड खुनियांव, सिद्धार्थनगर

लड़की दिखाई की रस्म से पहले घर में सो रही मां-बेटी पर एसिड अटैक, युवती की मौत

काजल यादव, मृतक

संवाददाता–कुशीनगर। एक लड़की पर एसिड अटैक की घटना हुई। लड़की की इसके बाद मौत हो गई। एसिड अटैक लड़की के साथ–साथ उसकी मां पर भी हुआ। महिला का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि रामकोला थाना क्षेत्र के एक गांव में घर में सो रही मां बेटी पर तेजाब फेंक दिया। बुरी तरह से झुलसी मां बेटी को परिजनों ने रामकोला सीएचसी पहुंचाया। जहां से दोनों की हालत गंभीर देख गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में बेटी की मौत हो गयी। मां की हालत गंभीर है। युवती के भाई ने इस मामले में दो युवकों पर संदेह जताते हुए तहरीर दी है। शुक्रवार को सुबह डीआईजी एस चेनप्पा, एसपी केशव कुमार व एएसपी सिद्धार्थ वर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मातहतों को गहराई से छानबीन के निर्देश दिए।

जिस परिवार की मां बेटी पर तेजाब फेंका गया है, उनकी पांच बेटियों में सबसे छोटी 25 साल की बेटी की शादी का तैयारियां चल रही थी। शुक्रवार को उसे देखने वर पक्ष के लोग आने वाले थे। इसके लिए घर पर गुरुवार को कुछ रिश्तेदार भी आए हुए थे। गुरुवार की रात खाना खाने के बाद दो मंजिली मकान में ग्राउंड फ्लोर पर प्रवेश द्वारा से सटे युवती का पिता और मौसी का बेटा सो रहे थे। इससे सटे कमरे में युवती व उसकी 55 वर्ष की मां सो रहे थे। ऊपर की मंजिल पर उसका इकलौता भाई अभिषेक व गांव के युवक के साथ सोया था।

परिजनों द्वारा पुलिस को दी गयी जानकारी के अनुसार रात करीब डेढ़ बजे अचानक बेटी व मां चिल्लाने लगीं तो परिवार के लोग कमरे में पहुंचे। देखा कि दोनों पर तेजाब फेंककर जलाने का प्रयास किया गया था। दोनों बुरी तरह से झुलस चुकी थीं। परिवार के लोग दोनों को लेकर सीएचसी रामकोला पहुंचे। वहां से दोनों को गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में युवती की मौत हो गयी।

मृतका के इकलौते भाई ने इस मामले में पुलिस को तहरीर देकर अंदेशा जताया है कि दो युवक उसकी बहन से बात करते थे। तेजाब फेंककर बहन की हत्या व मां को गंभीर करने में इन्हीं दोनों का हाथ हो सकता है। पुलिस ने परिवार की तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घायल महिला का इलाज जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले के आरोपियों को पकड़कर जल्द उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भांजे अंश ने बताया कि वह नाना के साथ बरामदा में सो रहा था। रात में खिड़की पर किसी के हाथ मारने की आवाज सुनकर नींद टूटी। नाना और मैं उठे तो देखा कि नानी के कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। अंदर गए तो देखा नानी और मौसी दर्द से कराह रही हैं। बताया कि कोई तेजाब डालकर भाग गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत केशवापुर वि.खं. रुधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **केशवापुर** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि/ अन्त्येष्टि स्थल का विकास/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **केशवापुर** के निविदा बाक्स में दिनांक 17–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 11–04–2026 से दिनांक 16–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **केशवापुर** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **केशवापुर** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **केशवापुर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री/उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(पंचराम) प्रधान ग्राम पंचायत–**केशवापुर**

(तीरथ प्रसाद) सचिव ग्राम पंचायत–**केशवापुर**

पत्रांक/ मेमो/टेण्डर विज्ञप्ति 2026/27 दिनांक 10.04.2026

पति की हत्या करके पत्नी ने ट्रेन से कटकर दी जान, घर में बंद 22 दिन के नवजात की भी मौत

संवाददाता–अयोध्या। रौनाही की एक महिला ने अपने पति की हथौड़े से वारकर हत्या कर दी। आवेश में आकर रेलवे पटरी पर लेट कर खुद की भी जान दे दी। इस बीच घर में बंद नवजात की भी मौत हो गई। घटना की वजह पति – पत्नी दोनों के बीच का विवाद बताया जा रहा है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। गांव में तीन मौत होने की घटना को लेकर कोहराम मच गया है। क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। ग्राम करेरू निवासी दलित पाटनदीन के बेटे करीब 25 वर्षीय शिवानंद रावत की साल 2025 के फरवरी माह में खंडासा थाना क्षेत्र के ग्राम बीड़ेपुर में संजू से शादी हुई थी। इस दौरान करीब 22 दिन पहले संजू रावत ने एक बच्चे को जन्म दिया था। गुरुवार को शाम घर के लोग खेतों की तरफ गेहूं काटने चले गए। किसी बात को लेकर पति – पत्नी के बीच विवाद उठ खड़ा हुआ। दोनों के बीच कहासुनी इस कदर बढ़ा कि पत्नी संजू रावत ने अपने पति के सर पर प्रहार कर दिया। हमले में पति का सिर फट गया। घटना के बाद पत्नी गांव के बाहर देवराकोट रेलवे फाटक से करीब दो सौ मीटर पूरब पहुंचकर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। पत्नी की मौत की जानकारी तब मिली जब रात करीब आठ बजे किसी ग्रामीण को महिला का क्षत – विक्षत शव रेलवे ट्रैक पर दिखाई पड़ा।

सूचना पाकर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ आशीष निगम, थाना प्रभारी लालचंद्र सरोज मौके पर पहुंचे। महिला के पास पॉलीथीन में रखे मोबाइल से डायल नंबर करने के बाद उसके पति शिवानंद की फोटो दिखाई पड़ी। इसके बाद महिला की पहचान संजू रावत के रूप में हुई। शव की शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घर आकर महिला के पति की तलाश होने लगी। बच्चे के रोने की आवाज घर के एक कमरे से आने लगी। परिजन जब कमरे के पास पहुंचे तो कमरे का दरवाजा बंद था और बाहर से ताला लगा था।

पुलिस डायल 112 को बुलवाकर कमरे का ताला तोड़ा गया। कमरे के अंदर कंबल,रजाई से लपेटा पति का शव बरामद हुआ। पुलिस ने पति के शव को भी पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। वहीं शुक्रवार की सुबह दुधमुंहे बच्चे की भी मौत हो गई। घटना को लेकर गांव में कोहराम मच गया है और क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है। पूछे जाने पर सीओ आशीष निगम ने बताया कि दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद घटना की जांच पड़ताल करवाई जा रही है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पर टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी, सीएम का पुतला फूंका

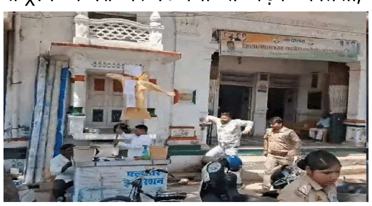

संवाददाता–अयोध्या। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य नेताओं पर टिप्पणी के विरोध में कार्यकर्ता ने असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा का पुतला जलाया। शुक्रवार को कांग्रेसियों ने पार्टी कार्यालय कमला नेहरू भवन के सामने प्रदर्शन किया और विरोध में जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने असम के मुख्यमंत्री पर वैधानिक कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री अपने पद की गरिमा के विरुद्ध आचरण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री लगातार अलोकतांत्रिक एवं अमर्यादित टिप्पणियां करके पद की गरिमा गिरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आचार संहिता लागू होने के बावजूद कांग्रेस नेताओं के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्यवाही की धमकी देना लोकतंत्र पर प्रहार है।

महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि सीएम की बयानबाजी समाज में वैमनस्य फैलाने का कार्य करती है। उन्होंने मांग किया कि चुनाव आयोग को मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाए। पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कांग्रेस द्वारा लगाए गए सभी आरोपों की स्वतंत्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके। पुतला जलाने में पीसीसीसी सदस्य राम अवध पासी, पंकज सिंह, रुद्र प्रताप सिंह रिशु, नाजिश फातिमा, उमेश उपाध्याय, राजकुमार पांडेय, अशोक कनौजिया, धर्मेंद्र सिंह फास्टर, डॉ. विनोद गुप्त, चंचल सोनकर, तैयब खान, यासीन, सरजू प्रसाद वर्मा, रामचरित्र वर्मा, कविंद्र साहनी, अरुण साहू, रामचरित्र वर्मा व अन्य शामिल रहे।

दो सगे भाइयों की मुंबई में चाकू मारकर हत्या, शव पहुंचा गांव

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के हरदिया गांव के दो सगे भाइयों की मुंबई के मालेगांव में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार सुबह जैसे ही दोनों के शव गांव पहुंचे, पूरे इलाके में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। आक्रोशित स्वजन कार्रवाई की मांग को लेकर अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिए। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने उन्हें समझाकर अंतिम संस्कार कराया। हरदिया निवासी स्व. भोला साहनी के पुत्र 30 वर्षीय अनीस साहनी और 25 वर्षीय निखिल साहनी मुंबई के मालेगांव में अपने चाचा दुर्गेश के साथ पेंट–पॉलिश का काम करते थे। सात अप्रैल की रात दोनों भाई अपने किराए के कमरे में सो रहे थे, जबकि चाचा दूसरे कमरे में थे। आरोप है कि देर रात अज्ञात बदमाश कमरे में घुस आए और दोनों भाइयों पर चाकुओं से हमला कर दिया। हमले के दौरान दोनों भाइयों के चीखने की आवाज सुनकर चाचा दुर्गेश बाहर निकलना चाहते थे, लेकिन कमरे की कुंडी बाहर से बंद थी।

किसी तरह अनीस ने गंभीर हालत में उठकर कुंडी खोली, लेकिन इसके बाद वह बेहोश हो गया। दुर्गेश ने दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार सुबह शव गांव पहुंचे तो मातम छा गया। परिजनों ने आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक गीडा अश्वनी पांडेय और चौकी प्रभारी अजय सिंह ने परिजनों को समझाया, जिसके बाद अंतिम संस्कार कराया गया। दोनों भाइयों को मुखाग्नि उनके दादा रामाश्रय निषाद ने दी। घटना के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कांग्रेसियों से पुतला छीनकर पुलिस भागी, 10 मिनट तक दौड़ते रहे कार्यकर्ता, पुतला दहन नहीं होने पर जमकर नारेबाजी की

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। साड़ी तिराहे पर पुतला दहन की तैयारी के दौरान पुलिस ने पुतला छीन लिया, जिसके बाद कांग्रेसी करीब 10 मिनट तक पुलिसकर्मियों के पीछे दौड़ते रहे। पुतला दहन न होने पर कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। यह विरोध प्रदर्शन मुख्यमंत्री सरमा द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में किया जा रहा था। कार्यकर्ताओं में इस टिप्पणी को लेकर गहरी नाराजगी थी। जैसे ही कांग्रेसी कार्यकर्ता साड़ी तिराहे पर पुतला जलाने पहुंचे, पुलिस मौके पर आ गई और पुतला छीनकर भागने लगी। पुलिस की इस कार्रवाई से भड़के कांग्रेसी तुरंत उनके पीछे दौड़ पड़े।

करीब 10 मिनट तक पुलिसकर्मी पुतला लेकर आगे–आगे भागते रहे और कांग्रेसी कार्यकर्ता उन्हें पकड़ने के लिए पीछा करते रहे। इस दौरान पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ भी जमा हो गई, जो इस पूरे घटनाक्रम को देखती रही। दौड़ भाग के दौरान एक कांग्रेसी कार्यकर्ता संतुलन खोकर जमीन पर गिर गया। हालांकि उसे गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन इस घटना से कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। वहीं विरोध प्रदर्शन कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी अस्वीकार्य है और इसी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से अपना आक्रोश व्यक्त करने पहुंचे थे। जिलाध्यक्ष अहमद ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता शांतिपूर्ण ढंग से पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराना चाहते थे। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर बिना अनुमति का हवाला देकर पुतला छीनने और लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साड़ी तिराहे जैसे व्यस्त स्थान पर पुतला दहन की अनुमति नहीं थी और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए समय रहते पुतला अपने कब्जे में लिया गया। पुलिस का दावा है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। घटना के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मौके पर जमकर नारेबाजी की और विरोध दर्ज कराया। कुछ समय तक क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जो अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस घटना के बाद जिले की राजनीति गरमा गई है।

शनिचरा बाजार में ब्लाक स्तरीय रैली का हुआ आयोजन

–भाजपा सरकार में परिषदीय विद्यालयों में तेजी से हुआ बदलाव– राममिलन यादव –अप्रैल माह में शत प्रतिशत नामांकन शिक्षक कराएं पूर्ण– अर्जुन प्रसाद वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– संतकबीरनगर (पौली)। पौली विकास क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय शनिचरा बाजार पर ब्लाक स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख व प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष राममिलन यादव व खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलित कर रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख राम मिलन यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में परिषदीय विद्यालयों में तेजी से बदलाव आया है। शिक्षा की गुणवत्ता के साथ–साथ स्कूलों को मूलभूत संसाधनों से लैस कर गुणवत्तायुक्त शिक्षा दिया जा रहा है। शिक्षक अपने दायित्व का निर्वहन लगन व निष्ठा से करें। यदि विद्यालय के विकास में मेरी आवश्यकता समझे तो हमारी मदद ले सकते है और मैं कम से कदम मिलाकर चलने को तैयार हूं।

खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने परिषदीय विद्यालयों में संचालित योजनाओं को विस्तार से बताते हुए शिक्षको से माह अप्रैल में ही शत प्रतिशत नामांकन कराने के लिए कहा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अमित सिंह ने किया। खण्ड शिक्षाधिकारी श्री वर्मा ने आये हुए अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओ को एलईडी बैन द्वारा बच्चों व अभिभावको को दिखाया गया। रैली कार्यक्रम में ब्लाक मंत्री व जिला कोषाध्यक्ष विपिन वर्मा, राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक विनोद पांडेय, भोलेंद्र यादव, आदर्श मणि त्रिपाठी, रतिभान चौधरी, रुदल प्रसाद, मनीराम मौर्य, राकेश कुमार, संजीव कुमार, हरिराम यादव, दिलीप कुमार, हरिओम त्रिपाठी, मुबारक अली, विक्रम सिंह, राकेश, संतोष तिवारी, नरेंद्र कुमार, शिवकुमार मौर्य कुंदन यादव, अन्नू, रुबी सहित तमाम शिक्षक व अभिभावक मौजूद रहे।

शादी ब्याह वाले लोगों को मिलेगी गैस, राहत

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में शादी ब्याह आदि मांगलिक समारोहों के मौसम में सिलेंडर की किल्लत से जूझ रहे आयोजकों के लिए राहत भरी खबर है। समाचार पत्रों ने अयोध्या में हो रही परेशानी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। खबर का असर हुआ और जिला प्रशासन ने त्वरित कदम उठाते हुए नई व्यवस्था लागू कर दी।

जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के निर्देश पर अब शादी समारोह आयोजित करने वाले लोगों को जिला आपूर्ति कार्यालय से अब दो कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला आपूर्ति अधिकारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों और बढ़ते दबाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

नई व्यवस्था के तहत आयोजकों को शादी का निमंत्रण कार्ड लेकर जिला आपूर्ति कार्यालय में आवेदन करना होगा। सत्यापन के बाद 19–19 किलो के दो कॉमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए केवल सिक्योरिटी मनी और निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। खाली सिलेंडर जमा करने की अनिवार्यता नहीं रखी गई है सिलेंडर वापस करने पर सिक्योरिटी राशि पूरी तरह लौटा दी जाएगी।

प्रशासन का मानना है कि इस पहल से शादी समारोह में भोजन व्यवस्था को लेकर होने वाली दिक्कतें काफी हद तक दूर होंगी। लंबे समय से व्यवस्था के अभाव में रोजाना 15–20 आवेदन लंबित रह जाते थे,लेकिन अब इस नई पहल से आमजन को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने सुनी ग्रामीणों की समस्या

संवाददाता–संतकबीर नगर। बेलहर ब्लॉक क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत जंगल बेलहर में एक ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान चकबंदी अधिकारियों ने ग्रामीणों और किसानों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी भी चौपाल में मौजूद रहे।

विधायक अनिल त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत जंगल बेलहर में बगहिया रास्ते के लिए धारा 9 क के तहत त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने पर जोर दिया। चौपाल में किसानों ने भूमि संबंधित विवाद, वरासत, उत्तराधिकारी, बैनामा, विक्रय पत्र जैसे विभिन्न मामले अधिकारियों के सामने रखे। अधिकारियों ने सीधे किसानों से संवाद किया और उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना। चकबंदी अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि चकबंदी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न की जाएगी और किसानों के हितों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना था।

किसानों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समाधान करने की यह पहल काफी प्रभावी मानी जा रही है। इससे विकासखंड बेलहर क्षेत्र के जंगल बेलहर के ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू०डि०) एफ०टी०सी० बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं०–646 / 2003
म० विवेकदास आदि
बनाम
मथुरा प्रसाद आदि
4 / 4 / 1 मनदीप वर्मा 4 / 4 / 2 आशीष वर्मा पुत्रगण राधेश्याम 4 / 4 / 3 श्रीमती देवी पत्नी राधेश्याम समस्त निवासीगण ग्राम बरगदवा माफी तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 13–04–2026
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 13 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 07 माह 04 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
द० हाकिम

रामनगरी में एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी, जिले में 2.57 लाख वोटर घटे

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के बाद शुक्रवार को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने जानकारी देते हुए बताया कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के चलते कुल 2,57,145 मतदाता सूची से कम हुए हैं। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्य प्रारंभ होने के समय जनपद में कुल 19,07,800 मतदाता दर्ज थे। इसके बाद चरणबद्ध सत्यापन और संशोधन प्रक्रिया के तहत पहले चरण में मतदाताओं की संख्या घटकर 15,70,258 रह गई थी। सभी प्रक्रियाओं के पूर्ण होने के बाद अब जारी अंतिम मतदाता सूची में कुल 16,50,655 मतदाता वैध पाए गए हैं। अंतिम आंकड़ों के अनुसार, जनपद में 8,84,096 पुरुष मतदाता, 7,66,495 महिला मतदाता और 64 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार कुल मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। इसे अधिकारियों ने पुनरीक्षण के दौरान अपात्र, मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए जाने का परिणाम बताया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म–6 भरकर आवेदन कर सकते हैं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी सं0–33 / 2025
वाद सं0 357 / 2014
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
राजेश
बनाम
सीताराम आदि
1. सीताराम उम्र 56 साल पुत्र गुरुदीन 2. अशरफी उम्र 60 साल मृतक 2 / 1 इन्द्रावती उम्र 65 साल पत्नी अशरफी 2 / 2 धर्मेन्द्र उम्र 40 साल 2 / 3 रमेश उम्र 60 साल पुत्रगण अशरफी 3. राम अचल उम्र 65 साल पुत्र गुरुदीन 4. रामदास मृतक 4 / 1 राजेश उर्फ झिगाऊ उम्र 42 साल पुत्र रामदास साकिनान मौजा मरसदवा तप्पा गनेशपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षीगण प्रथम वर्ग / प्रतिवादीगण
5. अनीता उम्र 35 साल पत्नी रवि कुमार साकिन डफाली टोला पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग / आवेदिका
तारीख पेशी 18–05–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीन सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 18 महिना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–359 / 2025
कमलेश आदि
बनाम
शान्तीराम आदि
1– शान्तीराम उम्र लगभग 80 वर्ष पुत्र लालसा साकिन ग्राम पड़री तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. सत्य प्रकाश उम्र लगभग 60 साल पुत्र राममूरत 3. खुददुर उम्र लगभग 70 वर्ष 4. बेकारू उम्र लगभग 66 वर्ष 5. झांगुर उम्र लगभग 62 वर्ष पुत्रगण दुर्बली 6. रामललन उम्र लगभग 55 साल पुत्र देवनाथ निवासीगण साकिनान ग्राम पड़री तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 21–05–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–388 / 2024
प्रभुनाथ
बनाम
रामकिशुन आदि
2– रामनाथ उम्र लगभग 38 साल पुत्र दयाराम 3. हरिवंश उम्र लगभग 80 साल पुत्र राधे साकिनान मौजा इटहर तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती पोस्ट सोनखर पिन कोड नम्बर 272170
तारीख पेशी 27–05–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–476 / 1993
रामसंवारे आदि
बनाम
झिनकू आदि
1 / 1 / 1 तुलसीराम उम्र लगभग 46 साल 1 / 1 / 2 राधेश्याम उम्र लगभग 35 साल 1 / 1 / 3 शिवराम उम्र लगभग 33 साल 1 / 1 / 4 सत्यराम उम्र लगभग 31 साल पुत्रगण स्व0 श्रीमती दुर्गावती पत्नी मुनिराम साकिनान मौजा लोढ़वा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर पोस्ट बडोखर तहसील भानपुर जिला बस्ती 1 / 1 / 5 शकुन्तला देवी उम्र लगभग 40 साल पुत्री दुर्गावती देवी पत्नी साहबदीन निवासी ग्राम कारेखूट पोस्ट पिरैला तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर 1 / 1 / 6 गीता देवी उम्र लगभग 37 साल पुत्री श्रीमती दुर्गावती देवी मृतक व पत्नी रामजनक निवासी ग्राम तेनुआ असनहरा पोस्ट करमहिया तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 25–04–2026
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 25 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 07 माह 04 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–353 / 2025
श्यामराज
बनाम
बेचूलाल आदि
1. बेचूलाल उम्र लगभग 40 वर्ष 2. नन्दलाल उम्र लगभग 37 वर्ष पुत्रगण रामदेव निवासीगण ग्राम बनकटा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. मेवालाल उम्र लगभग 67 वर्ष पुत्र रघुवीर 4. अवधेश उम्र लगभग 35 साल 5. दिलीप उम्र लगभग 32 साल पुत्रगण हंसराज 6. अर्जुन उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र भगवानदत्त 7. मिठाई लाल उम्र लगभग 68 वर्ष पुत्र महावीर 8.लालजी उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र महावीर निवासीगण ग्राम बनकटा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 23–04–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com